चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	9-10-25	3	2-3

एचएयू ने सरसों की नई उन्नत किस्म आरएच 1975 के लिए राजस्थान की निजी कंपनी से किया समझौता

हिसार | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने रब सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, राजस्थान के साथ सरसों की नई उन्नत किस्म आरएच 1975 के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि एचएयू के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में हुए समझौते पर रब सीड्स प्राइवेट लिमिटेड राजस्थान की ओर से निदेशक रवि ज्याणी व मनप्रीत सिंह ने हस्ताक्षर किए जबकि एचएयू की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। सरसों अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. रामअवतार ने बताया कि आरएच 1975 की औसत पैदावार 11-12 क्विंटल प्रति एकड़ तथा 14-15 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता है। इस किस्म में तेल की मात्रा 39.5 फीसद है जिसके कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार सहित गणमान्य लोग मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	9-10.25	2	1-2

एचएयू ने सरसों की नई उन्नत किस्म के लिए निजी कंपनी से किया समझौता

एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज के साथ कंपनी के अधिकारी। स्रोत : विवि

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के वैज्ञानिकों ने कई किस्मों के बीज विकसित किए हैं। इन्हें अधिकतम किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौता किए जा रहे हैं। इसके तहत सरसों की नई उन्नत किस्म आरएच 1975 के लिए राजस्थान की निजी क्षेत्र की कंपनी रब सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ अनुबंध किया गया है।

विवि के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की हैं। यहां इजाद की गई उन्नत किस्में देशभर में अपना परचम लहरा रहीं हैं। किसानों को विश्वसनीय किस्मों का बीज एवं तकनीक उपलब्ध करवा कर प्रदेश एवं देश के खाद्य उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा।

इस समझौते पर रब सीड्स प्राइवेट लिमिटेड राजस्थान की ओर से निदेशक रवि ज्याणी और मनप्रीत सिंह ने हस्ताक्षर किए, जबकि विवि की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार आदि मौजूद रहे।

सरसों अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. रामअवतार ने बताया कि आरएच 1975 की औसत पैदावार 11-12 क्विंटल प्रति एकड़ और उत्पादन क्षमता 14-15 क्विंटल प्रति एकड़ है। इस किस्म में तेल की मात्रा 39.5 फीसद है जिसके कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय है। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	9-10.25	4	5-6

आरएच 1975 किस्म की सरसों के लिए राजस्थान की कंपनी से एमओयू

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की तरफ से विकसित किए गए उन्नत किस्म के बीज अधिक से अधिक किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में निजी क्षेत्र की कम्पनी रब सीड्स प्राइवेट लिमिटेड राजस्थान के साथ हकृवि द्वारा विकसित की गई सरसों की नई उन्नत किस्म आरएच 1975 के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। किसानों को विश्वसनीय किस्मों का बीज एवं तकनीक उपलब्ध करवा कर प्रदेश एवं देश के खाद्य उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में हुए समझौते पर रब सीड्स प्राइवेट लिमिटेड राजस्थान की ओर से निदेशक रवि ज्याणी व मनप्रीत सिंह ने हस्ताक्षर किए जबकि विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। पैदावार के साथ तेल की मात्रा भी अधिक सरसों अनुभाग के विज्ञानी डा. रामअवतार ने बताया कि आर एच 1975 की औसत पैदावार 11-12 क्विंटल प्रति एकड़ व 14-15 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ राजस्थान से आए कंपनी के अधिकारी • विज्ञप्ति

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	9-10-25	6	6

किसानों को सरसों का बीज उपलब्ध कराने के लिए कंपनी से समझौता

हिसार, 8 अक्तूबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए गए उन्नत किस्म आरएच 1975 के बीज किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनी रब सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, राजस्थान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में हुए समझौते पर रब सीड्स प्राइवेट लिमिटेड राजस्थान की ओर से निदेशक रवि ज्याणी व मनप्रीत सिंह ने हस्ताक्षर किए, जबकि विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। सरसों अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. रामअवतार ने बताया कि आरएच 1975 की औसत पैदावार 11-12 क्विंटल प्रति एकड़ तथा 14-15 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता है। इस किस्म में तेल की मात्रा 39.5 फीसदी है जिसके कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	9-10-25	4	7-8

हकृवि ने सरसों की नई उन्नत किस्म के लिए राजस्थान की कंपनी से किया समझौता

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी।

हिसार, 8 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए गए उन्नत किस्म के बीज अधिक से अधिक किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में निजी क्षेत्र की कम्पनी के साथ हकृवि द्वारा विकसित की गई सरसों की नई उन्नत किस्म आर.एच. 1975 के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	9-10.25	10	2-6

विश्वविद्यालय ने राजस्थान की निजी कंपनी से किया समझौता

अब राजस्थान के खेतों में लहलाएगी सरसों की उन्नत किस्म आरएच 1975

हरियाणा कृषि विवि के वैज्ञानिकों की विकसित की गई किस्में देशभर में लहरा रही परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

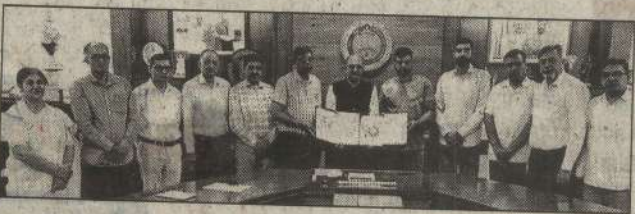

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए गए उन्नत किस्म के बीज अधिक से अधिक किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में निजी क्षेत्र की कम्पनी रब सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, राजस्थान के साथ हकृवि द्वारा विकसित की गई सरसों की नई उन्नत किस्म आरएच 1975 के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की गई उन्नत किस्में देशभर में अपना परचम लहरा रही हैं। किसानों को विश्वसनीय किस्मों का बीज एवं तकनीक उपलब्ध करवा कर प्रदेश एवं देश के खाद्य उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा।

रब सीड्स प्राइवेट लिमिटेड ने किए हस्ताक्षर

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में हुए समझौते पर रब सीड्स प्राइवेट लिमिटेड राजस्थान की ओर से निदेशक रवि ज्याणी व मनप्रीत सिंह ने हस्ताक्षर किए जबकि विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए।

पैदावार के साथ तेल की मात्रा भी अधिक

सरसों अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. रामअवतार ने बताया कि आरएच 1975 की औसत पैदावार 11-12 क्विंटल प्रति एकड़ तथा 14-15 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता है। इस किस्म में तेल की मात्रा 39.5 फीसद है जिसके कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र मोर, आईपीआर सेल के प्रमारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	9-10-25	4	1-4

आयोजक

एचएयू में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में पहुंचे 16 राज्यों के 200 स्वयंसेवक

विविध संस्कृति से मजबूत होती राष्ट्रीय एकता : प्रो. कांबोज

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार के एचएयू में आयोजित एनएसएस कार्यक्रम में मौजूद स्वयंसेवक। संवाद

प्रो. कांबोज।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि युवाओं को देश की विविध संस्कृतियों को जानने और समझने का प्रयास करना चाहिए। एक-दूसरे राज्यों की जानकारी होना आज के समय में बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि छात्र जीवन में देशभर के युवाओं का एक मंच पर मिलना सौभाग्य की बात होती है। भारत के हर राज्य की अपनी समृद्ध संस्कृति है और ऐसे आयोजनों से युवाओं में राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक जागरूकता की भावना विकसित होती है।

वे बुधवार को छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के शुभारंभ पर युवाओं को संबोधित कर रहे थे। शिविर में देशभर के 16 राज्यों से आए 200 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। शिविर का समापन 14 अक्तूबर को किया जाएगा। शिविर में हरियाणा के विभिन्न 29 विश्वविद्यालयों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया है। शिविर की शुरुआत योगाभ्यास से हुई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	9-10-25	4	1

हकृवि में राष्ट्रीय एकता शिविर शुरू, अनेक राज्यों के स्वयं सेवक ले रहे हैं भाग

हिसार, 8 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर शुरू हो गया। 14 अक्तूबर तक चलने वाले इस शिविर में अनेक राज्यों से 200 स्वयं सेवक भाग ले रहे हैं। इनमें हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों से 100 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे।

छात्र कल्याण निदेशक एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एस.के. पाहुजा ने बताया कि शिविर में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां की जाएगी। खास बात यह है कि विभिन्न राज्यों से आने वाले स्वयंसेवकों को हरियाणा प्रदेश की संस्कृति से रूबरू करवाने के लिए अनेक ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करवाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	08.10.2025		

हकृवि ने सरसों की नई उन्नत किस्म आरएच 1975 के लिए राजस्थान की निजी कंपनी से किया समझौता

हिसार, (जगमार्ग न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए गए उन्नत किस्म के बीज अधिक से अधिक किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में निजी क्षेत्र की कम्पनी रब सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, राजस्थान के साथ हकृवि द्वारा विकसित की गई सरसों की नई उन्नत किस्म आरएच 1975 के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की गई उन्नत किस्में देशभर में अपना परचम लहरा रही हैं। किसानों को विश्वसनीय किस्मों का बीज एवं तकनीक उपलब्ध करवा कर प्रदेश एवं देश के खाद्य उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में हुए समझौते पर रब सीड्स प्राइवेट लिमिटेड राजस्थान की ओर से निदेशक रवि ज्याणी व मनप्रीत सिंह ने हस्ताक्षर किए जबकि विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। पैदावार के साथ तेल की मात्रा भी अधिक सरसों अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. रामअवतार ने बताया कि आर एच 1975 की औसत पैदावार 11-12 क्विंटल प्रति एकड़ तथा 14-15 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता है। इस किस्म में तेल की मात्रा 39.5 फीसद है जिसके कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	08.10.2025		

हकृवि ने सरसों की नई किस्म आरएच 1975 के लिए राजस्थानी कंपनी से किया समझौता

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए गए उन्नत किस्म के बीज अधिक से अधिक किसानों तक उपलब्ध करवाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में निजी क्षेत्र की कम्पनी रब सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, राजस्थान के साथ हकृवि द्वारा विकसित की गई सरसों की नई उन्नत किस्म आरएच 1975 के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी

यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की गई उन्नत किस्में देशभर में अपना परचम लहरा रही हैं। किसानों को विश्वसनीय किस्मों का बीज एवं तकनीक उपलब्ध करवा कर प्रदेश एवं देश के खाद्य उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा।

पैदावार के साथ तेल की मात्रा भी अधिक

सरसों अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. रामअवतार ने बताया कि आर एच 1975 की औसत पैदावार 11-12 क्विंटल प्रति एकड़ तथा 14-15 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता है। इस किस्म में तेल की मात्रा 39.5 फीसद है जिसके कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र मोर, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया उपस्थित रहे।

इस कंपनी के साथ हुआ समझौता : विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में हुए समझौते पर रब सीड्स प्राइवेट लिमिटेड राजस्थान की ओर से निदेशक रवि ज्याणी व मनप्रीत सिंह ने हस्ताक्षर किए जबकि विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए।